आकाशवाणी

देहरादून (उत्तराखण्ड)

रविवार 11.01.2026

समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभाजनकारी तत्वों को परास्त करने के लिए देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की है।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा–केंद्र से राज्य को सड़क विकास के लिए पर्याप्त धनराशि और कई महत्वपूर्ण योजनाएं मिली हैं।
- कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में लगने वाले सभी मेले हमारी संस्कृति और विरासत के प्रतीक हैं।
- और प्रदेश में बढ़ती ठंड और संभावित बर्फबारी को देखते हुए राज्य सरकार पूरी तरह से सतर्क है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभाजनकारी तत्वों को परास्त करने के लिए देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की है। श्री मोदी ने गुजरात में प्रभास पाटन में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर देशवासियों से अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए विकसित भारत के लिए कंधे से कंधा और दिल से दिल मिलाकर चलने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व अटूट आस्था और समर्पण का पर्व है। उन्होंने कहा कि यह पर्व केवल ऐतिहासिक वैभव का प्रतीक नहीं, बल्कि यह सोमनाथ मंदिर की अनंत यात्रा को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का अवसर भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सभ्यता हमें दूसरों को परास्त करना नहीं, बल्कि संतुलित जीवन जीना सिखाती है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि केंद्र सरकार से राज्य को सड़क विकास के लिए पर्याप्त धनराशि और कई महत्वपूर्ण योजनाएं मिली हैं। मुख्यमंत्री ने मीडिया में बताया कि हाल ही में हुई बैठक में इन परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। श्री धामी ने कहा कि इन निर्णयों से दूरस्थ क्षेत्रों की कनेक्टिविटी सुधरेगी, आवागमन सुगम होगा और स्थानीय विकास को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुमखाल से पौड़ी तक प्रस्तावित सड़क परियोजना को भारत सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है, जिससे राज्य के सड़क परिवहन क्षेत्र को बड़ी मजबूती मिलेगी।

राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद केवल एक महान दार्शनिक ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और राष्ट्रबोध के सशक्त प्रतीक हैं। राष्ट्रीय युवा दिवस की पूर्व संध्या पर राज्यपाल ने कहा कि भारत का युवा आज केवल जनसंख्या का आंकड़ा नहीं, बल्कि राष्ट्र की दिशा तय करने वाली सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि अमृतकाल का यह युग युवाओं के लिए अवसरों के साथ–साथ उत्तरदायित्वों से भी भरा हुआ है। भारत को विकसित राष्ट्र और विश्वगुरु बनाने का संकल्प तभी साकार होगा, जब युवा अपनी ऊर्जा, नवाचार और संकल्पशक्ति को राष्ट्रनिर्माण में लगाएंगे।

बद्रीनाथ धाम

बद्रीनाथ धाम में मौसम अनुकूल होने पर प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक बद्रीनाथ मास्टर प्लान के निर्माण कार्य इन दिनों तेजी से चल रहे हैं। जिसमें से अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुके हैं। बद्रीनाथ धाम में भी मास्टर प्लान के तर्ज पर निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। बदरीनाथ धाम में इन दिनों मौसम अनुकूल है। मास्टर प्लान के तहत ब्रह्मकपाल, रिवर फ्रंट, आस्था पथ सहित कई निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि बर्फबारी न होने के कारण निर्माण कार्य जारी है। हालांकि ठंड होने से फिलहाल निर्माण कार्य की रफ्तार धीमी है, लेकिन मौसम अनुकूल होते ही और तेजी से निर्माण कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण के अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुके हैं। झीलों का निर्माण कार्य भी पूर्ण हो चुका है।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में लगने वाले सभी मेले हमारी संस्कृति और विरासत के प्रतीक हैं। श्रीमति आर्या ने अल्मोड़ा के कटारमल स्थित ऐतिहासिक सूर्य मंदिर में आयोजित सूर्य पर्व मेले में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि सड़क व अन्य सुविधाएं बढ़ने के बाद से कटारमल सूर्य मंदिर धार्मिक पर्यटन का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि भारतीय पुरातत्व विभाग जल्द ही इस मंदिर के सुंदरीकरण का कार्य शुरू करने वाला है, इसके लिए बजट को मंजूरी मिल चुकी है।

बता दें कि यह आयोजन पौष माह के अंतिम रविवार को प्रतिवर्ष किया जाता है।

आपदा प्रबंधन

प्रदेश में बढ़ती ठंड और संभावित बर्फबारी को देखते हुए राज्य सरकार पूरी तरह से सतर्क है। आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि आम जनमानस और पशुधन की सुरक्षा के लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। सार्वजनिक स्थानों और चौराहों पर अलाव

की व्यवस्था करने के साथ ही रात के समय विशेष अभियान चलाकर खुले में सो रहे निराश्रितों को रैन बसेरों में पहुंचाया जा रहा है। आपदा प्रबंधन सचिव ने बताया कि शीत लहर से होने वाली बीमारियों जैसे हाइपोथर्मिया से निपटने के लिए दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक रखा गया है। ऊंचाई वाले और बर्फबारी से प्रभावित क्षेत्रों में मार्च तक के लिए राशन और आवश्यक वस्तुओं का अग्रिम भंडारण किया गया है। इसके साथ ही पशुओं के लिए चारे और पशु चिकित्सा की व्यवस्था की गई है। साथ ही गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष डेटाबेस तैयार किया गया है।

उत्तरकाशी

उत्तरकाशी में विकासखंड डुंडा के सुदूरवर्ती गांव सिंगोट में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से श्री नागराजा मत्स्य जीवि उत्पादन सहकारी समिति आत्मनिर्भरता और स्थानीय रोजगार सृजन की सशक्त मिसाल बन चुकी है। समिति ने योजना के तहत मत्स्य विभाग से 44 लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया, जिसमें 50 प्रतिशत सब्सिडी दी गई। वर्तमान में समिति से 34 सदस्य जुडे हैं, जबकि इसके अतिरिक्त 14 अन्य लोगों को भी प्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराया गया है। मत्स्य पालक विनय कलूडा ने बताया कि गांव में ही आजीविका सृजन के उद्देश्य से समिति द्वारा 20 ट्राउट मछली टैंक और 6 स्थानीय मछली टैंक स्थापित किए गए हैं। इससे समिति को प्रतिवर्ष 20 से 22 लाख रुपये का उत्पादन हो रहा है।

रुद्रप्रयाग

रुद्रप्रयाग जिले के प्रसिद्ध सिद्धपीठ कालीमठ मंदिर की मां काली इन दिनों दिवारा यात्रा पर है। 12 साल के बाद मां काली की दिवारा यात्रा हो रही है। पौराणिक परम्परानुसार दिवारा यात्रा के दौरान मां काली अपने भक्तों को दर्शन देती हैं। इस यात्रा में उनके साथ दो अन्य स्थानीय देवियां भी चलती हैं। यात्रा की शुरुआत पंचगाई गाँवों से होती है और जगह–जगह भक्तों को दर्शन देते हुए डोली देवप्रयाग में गंगा स्नान लेती और फिर वापस कालीमठ में विराजमान हो जाती है। दिवारा यात्रा समिति के अध्यक्ष लखपत राणा ने कहा कि आगामी 14 जनवरी को मां काली गंगा स्नान करेंगी।